दावोस 2026: एआई, सोलर, ईवी और रक्षा क्षेत्रों में वैश्विक कंपनियों के साथ उत्तर प्रदेश ने किया रणनीतिक साझेदारियों का विस्तार

ग्रीनको समूह ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ 1 गीगावॉट कम्प्यूट डेटा सेंटर विकसित करने हेतु किया ऐतिहासिक समझौता (एमओयू)

आईनाक्स जीएफएल समूह ने सोलर क्षमता और सोलर मॉड्यूल निर्माण के लिए ₹10,500 करोड़ निवेश की प्रतिबद्धता जताई

टीडब्ल्यूआई समूह उत्तर प्रदेश में भारत का पहला हाइब्रिड ईवी मोटरसाइकिल संयंत्र स्थापित करेगा

स्वीडन की प्रोमोटेक कंपनी मैन्युफैक्चरिंग में निवेश करेगी और यूएवी (ड्रोन) अवसरों की संभावनाएं तलाशेगी

दावोस/लखनऊ, 20 जनवरी: विश्व आर्थिक मंच (डब्लूईएफ) की वार्षिक बैठक 2026 के दूसरे दिन दावोस में उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख वैश्विक एवं भारतीय कंपनियों के साथ उच्चस्तरीय बैठकें जारी रखते हुए डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में बड़े निवेश प्रस्तावों एवं दीर्घकालिक साझेदारियों को मजबूत किया।

उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व **माननीय कैबिनेट मंत्री (वित्त एवं संसदीय कार्य) श्री सुरेश कुमार खन्ना कर रहे है** उनके साथ प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारी श्री दीपक कुमार (अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त), श्री अमित सिंह, सचिव, (मुख्यमंत्री कार्यालय), श्री विजय किरण आनंद (सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी इन्वेस्ट यूपी एवं यूपीसीडा) और श्री इंदरजीत सिंह (विशेष सचिव, ऊर्जा विभाग एवं निदेशक, यूपीनेडा) मौजूद हैं।

दिन भर प्रतिनिधिमंडल ने बायर कंज्यूमर हेल्थ (Bayer Consumer Health), ग्रीनको (Greenko), आरईसी लिमिटेड (REC Ltd), रिलायसैट (Relisat), कॉग्निजेंट (Cognizant) और जुबिलेंट भारतीया समूह (Jubilant Bhartia Group) जैसी कंपनियों के साथ रणनीतिक चर्चा की। इन बैठकों में उत्तर प्रदेश में दीर्घकालिक साझेदारी तथा विभिन्न क्षेत्रों में निवेश अवसरों पर विस्तृत संवाद हुआ।

इस दिन का प्रमुख आकर्षण **एएम ग्रीन समूह** (AM Green Group) और **इन्वेस्ट यूपी** के बीच **ग्रेटर नोएडा में 1 गीगावॉट (GW) कम्प्यूट डेटा सेंटर** स्थापित करने हेतु हुआ ऐतिहासिक समझौता हस्ताक्षर (एमओयू) रहा। यह बहु-अरब डॉलर की परियोजना चरणबद्ध रूप से विकसित होगी, जिसमें **250** मेगावॉट (MW) क्षमता के 24 माह के भीतर संचालन में आने तथा 2028 तक पूर्ण क्षमता प्राप्त करने का लक्ष्य है।

वैश्विक एआई वर्कलोड्स की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई यह सुविधा स्केलेबल कम्प्यूट इन्फ्रास्ट्रक्चर, लो-लेटेंसी कनेक्टिविटी और भारत के डेवलपर समुदाय के लिए बेहतर चिपसेट एक्सेस उपलब्ध कराएगी। यह परियोजना हाइपरस्केलर्स, एंटरप्राइजेज और सॉवरेन डिजिटल पहलों को समर्थन देगी। एएम ग्रीन की 24x7 कार्बन-फ्री ऊर्जा समाधानों से संचालित यह प्रोजेक्ट बड़े स्तर पर एफडीआई आकर्षित करने, हजारों उच्च-कौशल रोजगार सृजित करने तथा विकसित भारत 2047 विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश को भारत का प्रमुख डेटा सेंटर हब बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

स्वच्छ ऊर्जा में राज्य के नेतृत्व को और मजबूत करते हुए आईनाक्स जीएफएल समूह (Inox GFL Group) ने उत्तर प्रदेश में 2 गीगावॉट सौर ऊर्जा परियोजना तथा 3 गीगावॉट सौर मॉड्यूल निर्माण इकाई स्थापित करने हेतु एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस परियोजना में ₹10,500 करोड़ के प्रस्तावित निवेश के साथ 800–1000 लोगों के लिए रोजगार सृजन होगा।

अगली पीढ़ी की मोबिलिटी को बढ़ावा देने की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने टीडब्ल्यूआई समूह (TWI Group of Companies) के साथ ₹1,100 करोड़ का एमओयू किया। इसके अंतर्गत राज्य में भारत की पहली हाइब्रिड ईवी मोटरसाइकिल निर्माण इकाई स्थापित की जाएगी, जिससे टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, रोजगार सृजन और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा मिलेगा।

अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के विस्तार में, प्रतिनिधिमंडल ने प्रोमोटेक (Promoteq)—स्वीडन स्थित कंपनी—के साथ भी एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत उत्तर प्रदेश में निवेश संभावनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा। प्रोमोटेक ने लखनऊ में ₹500 करोड़ के निवेश से एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने की योजना साझा की तथा उत्तर प्रदेश रक्षा नीति के तहत यूएवी (UAV) निर्माण में भी रुचि जताई। इससे यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के अंतर्गत निवेश एवं औद्योगिक अवसरों को नई गति मिलेगी।

इन प्रभावशाली एमओयू और उच्चस्तरीय बैठकों के माध्यम से उत्तर प्रदेश एक भविष्य-तैयार निवेश गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति को और सुदृढ़ कर रहा है, जहां नवाचार, सतत विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धी औद्योगिक वृद्धि को प्राथमिकता दी जा रही है।